लखन मोसे बोले ना आंसुओ की लग रही धार भजन लिरिक्स

आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना,
बोले ना रे भैया बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोलें ना।bd।

उठा के लखन को गोदी में रखलए,
गोदी में रखलए हाँ,
गोदी में रखलए,
तेरे कहां पे लगो हैं बाण,
लखन मोसे बोलें ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोलें ना।bd।

हनुमंत जी लंका को जइयो,
वहां से वैध सुषेण को लईयो,
मेरे भैया की नवज बतइओ,
की लाल मेरो बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोलें ना।bd।

हनुमंत जी द्रोणागिरी जईओ,
वहां से संजीवनी बूटी लईओ,
मेरे भैया को घोंट के पिलईओ,
की लाल मेरो बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोलें ना।bd।

आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोले ना,
बोले ना रे भैया बोले ना,
आंसुओ की लग रही धार,
लखन मोसे बोलें ना।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
Upload By - Manish Prajapati

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com